

पुस्तकालय का संक्षिप्त विवरण

शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले शोध व अध्ययन बताते हैं कि शुरुआती कक्षाओं में किताबें पढ़ने की रुचि का विकास बच्चों में समझ के साथ पढ़ने के कौशल को विकसित करने में सहायक होता है। बच्चों को स्वतंत्र पाठक बनाने के लिए, यह आवश्यक है कि पुस्तकालय में चयनित पुस्तकों का एक ऐसा संग्रह हो, जो बच्चों में पठन कौशल विकसित करने के साथ-साथ तार्किक चिंतन, कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता के कौशलों को विकसित कर सकें। बाल साहित्य का यह संकलन बच्चों के लिए आईने और खिड़की की तरह है, जिसमें बच्चे अपनी दुनिया की झलक देखने के साथ-साथ दुनिया को देखने के नए नजरिए भी विकसित कर पाते हैं।



भाषा और साक्षरता को सीखने में भी पुस्तकालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। जब बच्चे अलग-अलग तरह के बाल साहित्य से परिचित होते हैं, तब वे लिखित टेक्स्ट को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। साहित्य को पढ़ते हुए और विस्तारित चर्चाओं और गतिविधियों द्वारा बच्चों, कहानी या लिखित टेक्स्ट के बारे में गहराई से सोच पाते हैं और किताबों की थीम, विषय, पात्रों, कथानक आदि को अपने व्यक्तिगत अनुभवों से जोड़कर देख पाते हैं और उनके बारे में अपने व्यक्तिगत विचार बना पाते हैं।

कहानी के कथानक के साथ-साथ बच्चे, कहानी की थीम और पात्रों के बारे में अपना व्यक्तिगत नजरिया बना पाते हैं। कहानी के साथ-साथ वे यह सोच पाते हैं, कि कहानी किस बारे में थी? कहानी में कौन-कौन से भाव शामिल थे और पात्र ने कहानी में कोई निर्णय लिया तो उसके पीछे क्या कारण था? बच्चे कहानी के पात्रों और घटनाओं को अपने व्यक्तिगत अनुभवों या किसी अन्य किताब और घटना से जोड़कर भी देख पाते हैं।



इसलिए यह आवश्यक है कि विद्यालयों में बाल-मित्र (Child Friendly) पुस्तकालय मौजूद हो, बाल मित्र पुस्तकालय से आशय एक ऐसी जगह है, जहाँ बच्चों के लिए उनकी उम्र, पठन स्तर, रुचि के अनुरूप, अलग-अलग शैलियों/प्रारूपों में किताबें मौजूद हों, जिन्हें बच्चे खुशी से पढ़ना चाहें। बच्चों को पुस्तकालय से जोड़ने के लिए विभिन्न पठन गतिविधियों का संचालन किया जाए।